अनुसन्धान प्रसार केंद्र, तसर अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण संस्थान,

(केन्द्रीय रेशम बोर्ड - वस्त्र मंत्रालय - भारत सरकार)

कपिस्ठा, गंग्नाबाद -723121, काशीपुर, पुरुलिया , प. बं.

तसर रेशम कृषक - सफलता की कहानी

कृषक का नाम	:	मालती रॉय
उम्र	:	38 वर्ष
पति का नाम	:	रंजित रॉय
पता	:	ग्राम: रंजनडीह, पोस्ट -अगरडीह, जिला: पुरुलिया, प. बं
तकनिकी सर्विस सेंटर (TSC) का नाम	:	कपिस्ठा

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला में ग्राम रंजनडीह, प्रखंड काशीपुर निवासी **श्रीमती मालती रॉय** अपने छौ सदस्यों के साथ विगत 10 वर्षो से कीटपालन का कार्य कर रही है| प्रारम्भ के पांच वर्षो में तकनिकी जानकारी एवं प्रबंध व्यवस्था के आभाव में तसर कोकून का उत्पादन बहुत ही कम यानि 15 से 20 कोसा प्रति डिम्भ (dfl) ही कर पाती थी जिससे उनकी घरेलू परिस्थितियों में बहुत सुधार नही हो पता था | लेकिन अपने अदम्य साहस के बल पर इस रोजगार से जुडी रही और अनुसन्धान प्रसार केंद्र कपिस्ठा के द्वारा चलाये गये विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने सदस्यों के साथ भाग लेकर नई तकनिकी विधियों कि जानकारी प्राप्त कर कीटपालन के दौरान उपयोग किया | जिसके फलस्वरूप इन्होने वर्ष 2018 के द्वितीय फसल के दौरान 1200 डिम्भ (dfl) का कीटपालन के पश्चात् 48 कोसा प्रति डिम्भ की दर से कुल 57600 कोसा का उत्पादन किया जो अन्य कृषको के अपेक्षा ज्यादा उत्पादन है | उक्त उत्पादन से इनको कुल रुपया 1,15,200/- प्राप्त हुआ | विगत तीन वर्षो के लगातार परिश्रम से इनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है, फिरहाल तसर कीटपालन के द्वारा प्राप्त आय से इनके परिवार के भरण पोषण, बच्चो के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के स्तर में काफी विकास हुआ है| इसके वावजूद कच्चे मकान कि जगह पक्का मकान एवं आने जाने हेतु मोटर साइकिल भी खरीद लिया है | इनके इस उपलब्धि से अन्य कृषक भी काफी प्रभावित होकर इस रोजगार में योगदान दे रहे है |